पाठ 6. हींगवाला

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत कहानी मानवीयता के भाव की पृष्ठभूमि पर लिखी गई है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि मनुष्य के लिए सबसे बड़ा रिश्ता होता है प्रेम, भाईचारे तथा आपसी समझ का। यह रिश्ता धर्म, जाति, संप्रदाय सभी से परे होता है। अतः मित्रता करते समय यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई व्यक्ति हमारे धर्म या जाति का है या नहीं।

पाठ का सारांश

काबुल का रहने वाला खान हींग बेचने का काम करता था। वह अकसर सावित्री के पास हींग देने के लिए आता था। सावित्री के बच्चे खान से चिढ़ते थे। वे सोचते थे कि उनकी माँ खान को ही अपना बेटा मानती हैं तथा उसे पैसे भी देती हैं। शहर में दंगा हो जाने पर खान काफ़ी दिनों तक नहीं आया तो सावित्री को चिंता होती है। कुछ दिनों बाद खान आया तो सावित्री ने उसे समझाया कि दंगे के समय तुम्हारा यहाँ आना सही नहीं है। दशहरे के दिन बच्चे ज़िद करते हैं तो सावित्री उन्हें नौकर के साथ काली का जुलूस देखने भेज देती है। शहर में दंगा हो जाता है तथा सावित्री के बच्चे अँधेरा होने पर भी घर नहीं लौटते। सावित्री का रो-रोकर बुरा हाल हो जाता है। तभी खान बच्चों को सकुशल लेकर आता दिखाई देता है। बच्चे खान की प्रशंसा करते हैं तथा उसे दोस्त के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। प्रेम का रिश्ता देश, धर्म और जाति से ऊपर होता है।

अध्यापन संकेत

बच्चों को पाठ का वाचन करवाने से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** में दिए गए प्रश्न पूछें। पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्त्वपूर्ण गद्यांशों का भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से उनकी गली में आने वाले फेरीवालों के बारे में प्रश्न पूछें। जैसे कि वे क्या बेचते हैं? कैसे आवाज़ लगाते हैं? आदि।
- बच्चों को बताएँ कि वर्तमान समय में काबुल अफ़गानिस्तान की राजधानी है।
- बच्चों से पूछें कि सावित्री के बच्चों की जगह यदि आप होते तो खान के प्रति आपका व्यवहार कैसा होता?
- इस कहानी की ही तरह 'रवींद्रनाथ ठाकुर' की कहानी 'काबुलीवाला' है। बच्चों से उस कहानी के संबंध में चर्चा कीजिए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।